पाठ ६५

1. का यिशु यी संसारमा यी हेतुले आइलन कि हमनी वहांके निमित्त काम करजाइ आ हमर स्वर्गके रास्ता बनावलजाइ ?
   - ना ।
2. यिशु यी सन्सारमे काहे आइलक कहके यिशु कहलन ?
   - आदमीसबके सेवा करेला आ बहुत आदमीसबके जीवनके मोल बनेलाके निमित्त आपन जीवन दिएला ।
3. बारतिमै अन्धा हमनी सबके अन्धापनके बारेमे कइसन याद दिलावेला ?
   - जइसन बारतिमै अन्धा रहे वइसने सब आदमीसब भि अन्धा जनमल रहे ।
4. कइसन बस आदमीसब अन्धा जनमलरहे ?
   - काहेकि आदम आ हब्वा परमेश्वरके आज्ञा उलंघन कइल वइसने ओकुनीसब परमेश्वरमे अन्धा भेगेल ।
5. का बारतिमै फेर दिखेके सकेला करके आपन उपचार कर सकेला ?
   - ना ।
6. का आदमीसब परमेश्वरके सत्य खुद दिखेलाके सक्षम रहे ?
   - ना ।
7. बारतिमै के फेर दिख सकेला बनावेलाके सिर्फ कउन मद्दत कर सकेला ?
   - यिशु ।

8. सब आदमीसब के फेर देखि सकेला बनावेलाके सिर्फ कउन मद्दत कर सकेला ?
   - यिशु ।
9. यिशुके बारतिमै काहे दाउदके बेटा कहलन ?
   - काहेकि यिशु राजा दाउदके दरसन्तान बाडे जेकराके परमेश्वर उद्धारकर्ता के रुपमे भेजेला कहके प्रतिज्ञा करलन स ।
10. काहे आदमीसब बारतिमैके डाँटलन आ ओकराके चुप होजा कहलन ?
   - आदमीसब सोचलन कि यिशु गरीब आ अन्धा भिखारीके मद्दत ना करेला ।
11. का यिशु गरीब अन्धा भिखारीके सहयोग करेलाके चाही ?
   - हां ।
12. का परमेश्वर सबके फिक्री करलन ?
   - हां ।
13. का यिशु बारतिमैके फेर दिख सकेलाके निमित्त मद्दत कइल ?
   - हां ।
14. का यिशु आदमीसबके रोमीसबके दासत्वसे छुटकारा दिलावकेलाके येरुसलेम गइलरहेला ?
   - ना ।
15. यिशु काहे येरुसलेम गइल ?

- यिशु आदमीसबके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे छुटावेलाके निमित्त येरुसलमे गइल रहे ।

- काहेकि यहुदी प्रधानसब यिशुके घृणा करेला त ओकुनीसब यिशुके मारेलाके बहाना खोजत रनी ।

मर्कुस १४:१-२ पढलजाइ

दो दिनके बाद फसल अउर अखमिरी रोटीके परव होखेवाला रहे । अउर महायाजक अउर शास्त्री अउर यी खोजमे रहलन स कि कइसे यिशुके धोखासे पकडके जान से मार दिहल जा । बाँकी कहत रहले । परबके दिन ना कइ अइसन ना हो के कि सब लोगेमे बलवा मचजावो ।

1. निस्तार चाडके समयमे यिशुके येहुदियनसब काहे ना पडकेके चाही ?
   - अगर ऊ लोग चाडके समयमे यिशुके पक्रले त आदमीसब दंगा भड्कावेला कहके ऊ लोग डरागेल ।

मर्कुस १४:१० पढलजाइ

तब यिहुदा स्कोरियोत जउन १२ चेलामेसे एगो रहे महायाजक लोगके लगे गइल अउर यिशुके ऊ लोगके हाते पकडवा दियो ।

2. येहुदा कउन रहे ?
   - यिशु छानेला मे १२ चेलनमे से एगो ।

3. का येहुदाके ऊ आपनके पापमे जनमल रहे आ ओकराके उद्धारकर्ताके रूपमे यशु चाहेला कहके थाहा रहे ?
    - ना ।
4. का यहुदाके यिशु उद्धारकर्ता प्रभ बा कहके थाहा रहे ?
    - ना ।
    - यहुदा यिशुके उद्धारकर्ता बा विश्वास करके ना पछ्यावेला ।
5. वइसने यहुदा यिशुके काहे पछ्यावेला त ?
    - यहुदा यिशुके ए कारणसे पछ्यवेला कि ऊ अभिन अउर ज्यादा पैसा कमा सकेला ।
    - जब यहुदा यिशुसे धन कमावेके ना सकेला त ऊ यिशुके धोका दिएके वहांके शत्रुसब के मद्दत करेलाके निर्णय कइल ।
6. यिशुके धोका दिए निर्णय करेलासे यहुदा केकरा उत्तेजित बनावल ?
    - शैतान ।
7. शैतान काहे यहुदा यिशुके धोखा देवेलन कहके चाहनी ?
    - काहेकि शैतान यिशुके घृणा करेला ।
8. शैतान यिशुके काहे घृणा करेला ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
    - काहेकि यिशु सत्य बोलेला ।

- शैतान यहुदी अगुवासबके यिशु हत्या करो कहके चाहेला ।

9. शैतान काहे यहुदी अगुवासब यिशुके हत्या करदेलन कहके चाहेला ?
    - शैतान यहुदी अगुवासबके यिशु के हत्या करदेलन ता कि यिशु हमनीके ना बचासकेला कहके चाहेला ।
    - शैतान यहुदी अगुवासबके यिशुके हत्या करदेलन ताकि यिशु पाप आ मृत्युके शक्ति विनास ना कर सकेला कहके चाहेला ।
    - शैतान यहुदी अगुवासबके यिशुके ना मारो ता कि यिशु शैतानके शक्ति विनाश ना कर सकेला कहके चाहेला ।
    - वइसने यहुदा यिशुके धोका देके यहुदी अगुवासबकहाँ गइल ।

10. उद्धारकर्ता के कउनो धोखा दिएला कहके नवीसब कहल रहे ?
    - एगो नजदिकके दोस्त ।
    - नवीद्वारा परमेश्वर बहुत साल पहिले कहले जइसने यिशुके जनदिकके दोस्त धोखा दिएवाला रहे ।

मर्कुस १४:११ पढलजाइ

ऊ ए सुनके खुश भइलन स अउर यहुदाके रुपिया देवेके खातिर कहलन स । अउर ऊ यि मौका खोजे लागल कि यिशुके कउना तरिकासे पकडवा दे ।

- यहुदी अगुवासब यहुदाके यिशुके धोखा देलाके बदलेमे चादीके ३० सिक्का दिएलाके तैयार रहे ।

11. यिशुके केतना पैसामे धोखा दअल ?
    - ३० चाँदीके सिक्कामे ।
    - परमेश्वर नवीद्वारा बहुत साल पहिले कहलेजइसन यिशु चाँदीके ३० सिक्कामे बेचिएवाला रहे ।

12. निस्तार चाडके पहिल दिन जब आइल चेलासब यिशुके कथी कहलन ?

मर्कुस १४:१२ पढलजाइ

अखिमिरी रोटीके परवके पहिला दिन जउना मे फसलके बलि करत रहे लु चेलालोग यिशुसे पुछलन । रउवा कहां चाहतनी कि रउवाके खातिर हमनीके भोज खाएके तैयारि करि जा ?

13. यिशु संगे चेलन लोग ओकुनीसब कहां निस्तार चाड के भोज तैंयार करत रनी कहके पुछलन ?

14. निस्तार चाड कथि ह ?
    - मिश्रमे भइलन बातके यादके निमित्त यहुदीयसब हरेके साल मनावेवाला चाड निस्तार ह ।

15. मिश्रमे कथी भइल रहे ?
    - परमेश्वर ओकुनीसबके पहिल जनमल रहे सन्तानसबके ना मारलन लेकिन ओकुनीसबके सुरक्षित रखलन काहेकि ओकुनीसब भेडके बच्चाके बलि दिअलन आ

ओकुनीसबके घरमे बलिदान दिएवाला भेडकेबच्चाके खुन के चिन्हल लगाइल ।

- यिशु चेलनसबके दिएवाला जवाफ यिहां रहे ।

मर्कुस १४:१३-१५ पढलजाइ

यिशु अपना चेलन मे से दुगो के यि कहके भेजलन । नगर म जा जा अउर एगो आदमी पानीके घैला उठउले दोहरा लगनके मिली । उनकराके पिछे हो लिहलो अउर ऊ जउना घरमे जइहो व घरके मालिकसे कहिएल लु कि गुरु कहतनी कि हमर पहुनसालामे जउन अपन चेलालोगसे साथन भोज खाइ ऊ कहा बा । ऊ तोहन लोगनके सजल सजावो अउर तयार कइल बा वहा हमरा खातिर तैंयार करिजा लु ।

- यिशु कहलन कि चेलनसब एगो पानीके घैला बोकलरहे आदमी फेला पारेवाला रहे आ ऊ आदमी जाएवाला घरमे ओकराके पछ्यावेला ।
- यद्यपि पानीके घैला बोकेवाला काम जनानीके रहे त पर भि घैला बोकेवाला आदमी रहे कहके यिशुके पहिलसे थाहा रहे ।
- यिशुके सब आदमीके सब बात थाहा रहेला ।
- यिशुके थाहा ना होवेवाला कउनो बात नइखे ।
- जहां ऊ आदमी घुसेवाला रहे ऊ चेलन निस्तार चाडके भोज तैंयार होवेवाला घर रहे ।

16. चेलनसब पानीके घैला बोकेवाला आदमी से मिलल या ना कहके अपने सोचेला ?

मर्कुस १४:१६ पढलजाइ

चेला लोग निकल के नगरमे अइले । अउर जइसे यिशु व लोगसे कहले रहले । वइसही फेलन जा अउर फस तैयारकइल लु अउर जब

- चेलासब कोठा तैयार पारसकेलाके बाद साँझ भइल आ यिशु और वहांके चेलन वहां अइलन ।

मर्कुस १४:१७-१८ पढलजाइ

जब साँझ भइल त यिशु १२ औं से अइलन । अउर जब व लोग बइठके खाना खात रहे तब यिशु कहलन । कि हम तुम लोगनसे सच कहत नि तोहन लोगनसे एगो जउन हमरासाथे खाना खात बाडन हमराके पकडवाइहन ।

17. जब यिशु आ वहांके चेलनसब साथमे खाइलरहे त यिशु कथी कहलन ?

- चेलनसब मे से एगो वहांके धोखा दिएवाला रहे कहलन ।

18. यहुदा वहांके धोखा दिएवाला रहे कहके यिशुके कइसन थाहा रहे ?

- यिशु के थाहा ना होवे वाला कउनो बात नइखे ।

19. चेलनमे से एगो वहांके धोखा दिएवाला रहे कहके यिशु काहे कहलन ?

- यहुदा आपन करलरहे काम फेर विचार करो कहके यिशुके चाहना रहेला ।
- यिहुदा पश्चात्ताप करो कहके यिशु चाहेला ।
- यहुदा ओकर विचार परिवर्तन करके पैसा यहुदियनके वापस करो आ यिशुके धोखा ना देवो कहके यिशु चाहेला ।

20. ओकराके बाद चेलनसब कथी कहलन ?

मर्कुस १४:१९-२० पढलजाइ

व लोगपरउदासी छ गइल अउर ऊ लोग एक एक करके यिशु से कहे लगले । का उ हम है ? यिशु चेला लोगसे कहलन । ऊ १२औं मे से एगो बा । जउन हमरा साथे थालीमे हात डाल ता ।

- काहेकि यिशु आ अउर चेलनसब साथमे खाइलरहे त वहां कहलन वहांसंगे अभिन सामे कचौरामे रोटी चोपेवाला चेला वहांके धोखा दिएला ।
- जउन धोखा दिएवाला रहे वहांसँगे खाना खाइल रहे कहके यिशु कहलन ।
- फेर यिशु यहुदा करेवाला रहे बातमे फेर विचार करो कहके यिशु चहलन ।

21. का कउनोसंगे साथमे रोटी खाइल आ बादमे ओकराके धोखा दिअल ना निमन बात ह ?
    - ना निमन बात ह ।
22. ओकराके बाद कथी भइल ?

मर्कुस १४:२१ पढलजाइ

काहेकि आदमीके लइका त जइसन ओकरा बारेमे लिखल बा व होखवे परि । बाकी व आदमि पर हाय जेकराद्वारा ऊ पकडवावल जाइ । जदि ऊ आदमिके जनम ना भइल रहि त ओकरा खातिर निमन होइल ।

23. यिशु आपनके काहे आदमीके बेटा कहलन ?
    - काहेकि वहां पूर्ण रूपमे आदमी भि रहे ।
    - काहेकि यिशु बेटाके रूपम आदमीसबके सेवा करेलाके निमित्त अइलन स ।
    - यिशके वहां के मरेके परि कहके थाहा रहे ।
    - बाकी यद्यपि यिशु मरेके परी लेकिन जउन यिशुके धोखा दिएवाला रहे ओकराके बड्का सजाय मिलेवाला रहे ।
    - यिशुके धोखा देओ कहके यिहुदाके परमेश्वर जोडबल ना करलन ।
    - यिशुके धोखा दिएलापर यहुदा जीवनभरके निमित्त सजायके भागिदार होवेवाला रहलनस ।

- जब ओकुनीसब खाइलरहे यिशु फेर एकबार चेललसँगे बात करलन स ।

मर्कुस १४:२२ पढलजाइ

अउर जब ऊलोग खाते रहि त यिशु रोटी लिहले अउर आशिष मागके तुरले अउर व लोगेके दिहलन अउर व लोगके कहलन ल जा ए हमार देह ह ।

- यिशु एगो रोटी लेअल आ भांचेलाके बाद परमेश्वरके धन्यवाद देलन स । रोटीके टुक्रा पारके ऊ चेलनके देलन स ।
- यिशु रोटी वहांके शरीरके प्रतीक बा कहलन ।

24. रोटी कइसन यिशुके शरीरके प्रतीक हो सकेला ?

- जइसन रोटी भंचलन स वइसने यिशुके शरीर भि दुष्ट आदमीसबद्वारा भंचलन वाला रहे ।

मर्कुस १४:२३-२४ पढलजाइ

फेर ऊ कटौरा ले के धन्यवाद कइलन । अउर व लोगके देहलन अउ र ऊ लोग सब व मे पअल अउर यिशु ऊ लोगसे कहलन । यि वाचाके ऊ हमार खुन ह जउन ढेर लोगन खातिर बहावल जात बा ।

- ओकराके बाद यिशु गिलासमे अङ्गुरके मदिरा रखलन अउर धन्यवाद देअलन आ ऊ भि चेलनके देलन स ।

- यिशु कहलन ऊ मदिरा वहांके खुनके प्रतीक रहेला ।

25. ऊ मदिरा कइसन यिशुके खुनके प्रतीक हो सकेला ?

- जइसन मदिरा पिएलाके निमित्त खन्याइल रहे वइसने यिशुके खुन भि खन्याएवाला रहे ।

26. केकराके निमित्त वहांके खुन खन्याएवाला रहे कहके यिशु कहलन ?

- यिशु कहलन वहांके खुन बहुत आदमीके निमित्त खन्याएवाला रहे ।
- जब ओकुनीसब खाइके सकलन यिशु फेर एगोवार चेलनसे बात करलन ।

मर्कुस १४:२५-२६ पढलजाइ

हम तोहन लोगन से संच कह त नि कि अङ्गर के रस ऊ दिन तकले पिह जबले परमेश्वरके राजमे नयां ना पिहिन । फेर उ लोग भजन गाके बाहर जैतुन पहाडपर गइले ।

- जब यिशु आ वहांके चेलन खाइके सकलन तब सांझ परलरहे ।
- ओकुनीसब खाएलाके बाद यिशु आ वहांके चेलासब जेरुसलमे गइलन आ अलिभ पहाडके ओरि गइलन ।